केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 69 मंगलवार 1 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पुलिस चौकी के पास गड्ढे में उतराता मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की सुबह करीब दस बजे सोनूपार पुलिस चौकी से करीब 50 मीटर की दूरी पर स्थित एक पानी से भरे गड्ढे में युवक का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना सबसे पहले डायल 112 पर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया गया। पुलिस के अनुसार मौके पर जुटे लोगों ने मृतक की शिनाख्त नीरज त्रिपाठी (22) पुत्र करुणापति त्रिपाठी निवासी खखुआ थाना कोतवाली के रूप में की है। इसके आधार पर परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया।

परिजनों ने पहचान करते हुए बताया कि नीरज शनिवार से ही घर पर नहीं आया था। पुलिस के मुताबिक परिजनों ने बताया कि वह नशे का आदी हो गया था। कोतवाल राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला पानी में डूबने से मौत का ही लग रहा है। शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं है। परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह साफ हो जाएगी।

नकदी लेकर छात्रा लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने रहस्यमय हाल में एक कक्षा छह की छात्रा के लापता होने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। 16 वर्षीय पीड़िता के पिता ने तहरीर में बताया है कि उनकी बेटी कक्षा छह में पढ़ती है। गत 21 सितंबर की शाम करीब छह बजे बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गई। अपने साथ वह आधार कार्ड व 50 हजार रुपया ले गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

युवक के मौत मामले में गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

छावनी (बस्ती)। जिले के चौकड़ी टोल पर कार के पीछे से गिरे घायल युवक के मामले में पुलिस छानबीन में जुट गई है। घटना के बाद घायल युवक ने सीएचसी हर्रैया में दम तोड दिया था। टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज से पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है। पुलिस ने घटना में हरदोई जिले के संलिप्त कार चालक व कार को ट्रेस कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवक के दोनों पैर टूट गए थे। शरीर के एक तरफ का हिस्सा रगड़ खा गया था। मृत युवक की पहचान अभी तक नही हो पाई है। मामले के खुलासे के लिए स्वाट टीम भी लगाई गई है।

थाना प्रभारी विजय कुमार दूबे ने बताया मामले में कार चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है। छावनी थानाक्षेत्र स्थित चौकड़ी टोल प्लाजा पर बीते शुक्रवार की रात 12 बजे के करीब टोल प्लाजा से आगे बढ़ी कार के पीछे से अचानक एक युवक गिर गया था। गंभीर रूप से घायल युवक को देख कर टोल प्लाजा पर हड़कंप मच गया था। टोल प्लाजा कर्मियों ने एंबुलेंस से घायल युवक को हर्रैया इलाज के लिए भेज दिया गया था। जहां पर युवक की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार गंभीर रूप से घायल युवक बोलने में असमर्थ था। पुलिस इस मामले में युवक के कार से गिरने की घटना को सही मान रही है। पुलिस के अनुसार युवक किसी दुर्घटना का शिकार होकर कार में फंस गया था या कार के अंदर से गिरा इसकी जांच पड़ताल हो रही है।

पुलिस ने चौकड़ी टोल प्लाजा पर कार के पीछे से गिरे युवक के मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाला। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल नंबर की कार हरदोई जिले के एक व्यक्ति के नाम पर दर्ज है। चालक गोरखपुर से कार लेकर हरदोई जा रहा था।

हाईकोर्ट से केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत, मुकदमें पर रोक

बेगलूर (आभा)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए कथित जबरन वसूली से संबंधित एक मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सोमवार को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने उनके और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है और चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक यह रोक जारी रहेगी। चुनावी बॉण्ड योजना अब रद्द हो चुकी है।

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने भाजपा नेता नलिन कुमार कटील द्वारा दायर उस याचिका पर यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें उन्हें आरोपी के रूप में नामजद करने वाली प्राथमिकी को चुनौती दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित शिकायत के बाद यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर शनिवार को सीतारमण और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र, पार्टी नेता नलिन कुमार कटील के नाम भी प्राथमिकी में हैं।

जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह–अध्यक्ष आदर्श आर अय्यर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली की और 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा उठाया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सीतारमण ने ईडी अधिकारियों की गुप्त सहायता और समर्थन के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरों के फायदे के लिए हजारों करोड़ रुपये की जबरन वसूली की।

राज्यपाल से गोल्ड मेडल प्राप्त करेंगे चौधरी चरण सिंह पीजी कालेज के 5 छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में 1 अक्टूबर मंगलवार को आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में बस्ती जनपद के चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय पद्मापुर पाण्डवनगर बस्ती के दो छात्र व तीन छात्राएं कुल पांच छात्र–छात्राओं को कुलाधिपति राज्यपाल द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया जायेगा।

प्राचार्य डॉक्टर हरिओम श्रीवास्तव ने बताया कि रिजी सिंह एम.ए (गृह विज्ञान), रजत जायसवाल एम.एस.सी.कृषि(शस्य विज्ञान),कुंवर शीतल सेन एम.एस.सी कृषि(प्रसार विज्ञान), विभा सिंह एम.एस.सी.कृषि(उद्यान विज्ञान) तथा पूर्णिमा कुमारी बी.एस.सी.कृषि हैं।ये पांचों छात्र–छात्राएं कुलाधिपति राज्यपाल द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त करेंगे।

उक्त छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन करने पर महाविद्यालय के प्रबंधक एवं सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक कवीन्द् चौधरी 'अतुल' ,महाविद्यालय के रमेश चन्द श्रीवास्तव, परमानन्द लाल, डॉ सत्येंद्र सिंह, अमित कुमार द्विवेदी, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ अम्बरीष पान्डे,डॉ गोविंद मल्ल, डॉ बृजेश,डॉ हैदर अली, डॉ धनपता,डॉ ज्योत्सना सिंह सहित के साथ ही महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

अर्जक संघ के जिला सम्मेलन में सामाजिक स्थितियों पर विमर्श

-राम प्रकाश अध्यक्ष, उमेश वर्मा मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अर्जक संघ का जिला सम्मेलन स्टेशन रोड स्थित एक मैरेज हाल में सम्पन्न हुआ जिसमें वर्तमान सामाजिक स्थितियों पर वक्ताओं ने प्रकाश डालते हुए संघ के प्रतिपादित संस्कार व त्यौहार अपनाये जाने पर बल दिया गया। दूसरे सत्र में जिला समिति का चुनाव भी सर्व सम्मत से हुआ। जिसमें राम प्रकाश पटेल को जिला अध्यक्ष व उमेश वर्मा मंत्री चुने गये।

सम्मेलन को मुख्य अतिथि संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष रामनिवास वर्मा व प्रान्तीय महामंत्री गंगा प्रसाद कन्नौजिया ने सम्बोधित करते हुये कहा कि अर्जक संघ के संस्कार व त्यौहार पदार्थवाद व मानववाद पर आधारित है जिनके प्रसार से ही भारत में भारतीय समाज व विश्व में मानव समाज की स्थापना हो सकेगी। सम्मेलन में अध्यक्ष, मंत्री के अलावा अर्जुन कुमार–सहायक मंत्री रामफेर सैनिक– संगठन मंत्री, सत्य प्रकाश वर्मा–कोषाध्यक्ष, तथा रामसेवक बौद्ध, सी०ए० राजेश पटेल, गिरीश चन्द्र चौधरी, रामदेव चौधरी, प्रमोद कुमार, रामकुमार, जंगबहादुर यादव, प्रभाकर पटेल, प्रमोद चौधरी, अवधेश कुमार, गंगाप्रसाद कन्नौजिया, रामनरेश चौधरी, राकेश पटेल कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। सम्मेलन को विशिष्ठ अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये गीता रूचिका ने महिलाओ को संघ के संस्कारो त्यौहारो को अपनाने को प्रेरित किया ।

कार्यक्रम को पूर्व जिलाध्यक्ष गौरी शंकर, रघुनाथ पटेल, सेवा राम पटेल, जिलाध्यक्ष अम्बेडकरनगर ओमप्रकाश निषाद जिलाध्यक्ष गोरखपुर, पूर्व जज आद्याशरन चौधरी, आर०डी० निषाद, रामसुभग मौय, प्रमोद कुमार, अशोक कुमार वर्मा जिला मंत्री अयोध्या, राधेश्याम एल०टी०, रामकेश चौधरी, ज्ञानदास कन्नौजिया, सोहनलाल यादव आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में मुख्य रूप से संध्या वर्मा, सुशीला पटेल, पूनम वर्मा गुजराती देवी, जिनरत्न, राकेश कुमार शर्मा, जगनरायन वर्मा, अवधेश कुमार वर्मा, जे०पी० राव, अनीता पासवान, प्रेम बाबू, अनिल कुमार चौधरी, सियाराम चौधरी, राजू गौतम, सोनम लाल, बनवारी लाल चौधरी, जयगोविन्द, राम सहाय, रामराज, सतिराम निषाद, रामविलास, सोनूराम, श्रीकान्त कन्नौजिया, धमेन्द्र कुमार, शशिकान्त विरेन्द्र कन्नौजिया, आशीष कुमार, अरविन्द कुमार, डॉ० अनिल सहित अनेक लोग एवं अर्जक संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समागम में बोले सो निहाल की गूंज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुद्वारा देव संगत खालसा लोहलंगर साहिब ग्राम रेडवल गुरु तेगबहादर कालोनी छावनी कस्बे में 61 दिवसीय समागम मनाया गया। इसमें संपूर्णता दिवस गुरु ग्रंथ साहिब महाराज , गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश गुरु गद्दी दिवस , गुरु अंगद देव जी खंडुरसाहब जी की यादगार में चार सहज पाठ के बाद गुरु का लंगर वितरित किया गया। जत्थेदारबाबा मोहन सिंह ने बताया कि पाँचगुरु साहिबान की वाणी एकत्रित करते हुए, गुरु अर्जुन देव जी महाराज जी 947 अंग पोथी, परमेश्वर थान का पदवी देते हुए अमृतसर तख्त श्री हरमंदिर साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब महाराज जी का प्रकाश किये। इसी उपलक्ष्य में दीवान सजाया गया जिसमें आरती गुरबानी, कथा कीर्तन अरदास उपरांत गुरु का लंगर वितरित किया गया । इसमें दूर–दूर से लोग एकत्रित हुए । जत्थाहरभजन सिंह हर करण सिंह भगत सिंह द्वारा गुरवाणी गायन किया गया ।।वाणी गुरु गुरु है वाणी बीच बानी अमृतसारे।। बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे से पूरा पंडाल गूंज उठा।

गरीबी बनी थी पढाई में बाधा: सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब आईआईटी धनबाद में पढेगा अतुल

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आईआईटी धनबाद को उस दलित छात्र को बीटेक कोर्स में दाखिला देने के लिए कहा जिसने फीस जमा करने की समय सीमा चूकने के कारण अपनी सीट गंवा दी थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हम ऐसे प्रतिभाशाली युवा को जाने नहीं दे सकते। उसे मझधार में नहीं छोड़ा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आईआईटी धनबाद को अतुल कुमार को बीटेक कोर्स में दाखिला देने के आदेश दिए। अतुल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक करना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा– हमारा मानना हहै कि याचिकाकर्ता जैसे प्रतिभाशाली छात्र को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। खासकर वह छात्र जो वंचित समूह से है और जिसने दाखिला पाने के लिए हरसंभव कोशिश की।

बता दें कि 18 साल के अतुल कुमार के माता–पिता 24 जून तक स्वीकृति शुल्क के रूप में 17,500 रुपये जमा करने में विफल रहे थे। 24 जून सीट आरक्षित करने के लिए जरूरी शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख थी। सर्वोच्च अदालत ने कहा– हम निर्देश देते हैं कि उम्मीदवार को आईआईटी धनबाद में दाखिला दिया जाए और उसे उसी बैच में रहने दिया जाए, जिसमें उसे फीस का भुगतान करने पर दाखिला मिलता।

संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को न्याय के हित में कोई भी आदेश पारित करने का अधिकार देता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आदेश पारित किया। अतुल कुमार के पिता एक दिहाड़ी मजदूर हैं। उनका परिवार यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के टिटोरा गांव में रहता है। वह गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवार से आते हैं।इससे पहले अतुल कुमार के माता–पिता ने कड़ी मेहनत से अर्जित सीट को बचाने के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, झारखंड कानूनी सेवा प्राधिकरण और मद्रास हाईकोर्ट से भी संपर्क किया था। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने अतुल की मदद करने में असमर्थता जताई थी। अतुल ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का भी दरवाजा खटखटाया था, जहां से उन्हें मद्रास हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया गया था, क्योंकि आईआईटी मद्रास ने ही परीक्षा आयोजित की थी।

हरियाणा में सीएम योगी ने राहुल गांधी पर साधा निशानाः कहा-रोम की संस्कृति में पले-बढ़े बर्दाश्त नहीं कर पा रहे राम मंदिर

भिवानी (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भी कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लिया। बोले, 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के कर कमलों से भगवान श्रीरामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए। राहुल गांधी का बिना नाम लिए सीएम योगी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रभु राम अयोध्या धाम में विराजमान हो गए, लेकिन रोम की संस्कृति में पले–बढ़े बदनसीब श्एक्सीडेंटल हिंदूश इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। एक्सीडेंटल हिंदू देश और जनता के प्रति कभी ईमानदार नहीं हो सकते। राम भारत के प्रतीक हैं। जो राम का नहीं, वो हमारे किसी काम का नहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा में चार जनसभा की। उन्होंने बवानी खेड़ा से कपूर वाल्मीकि, हांसी से विनोद भयाना, नारनौंद से कैप्टन अभिमन्यु, सफीदों से रामकुमार गौतम व पंचकूला से ज्ञानचंद गुप्ता, कालका से शक्तिरानी शर्मा को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश व दुनिया आनंदित है, लेकिन घड़ियालू आंसू बहा रही बदनसीब कांग्रेस को इससे भी नफरत है। यही अंतर राम की संस्कृति व रोम की संस्कृति में है। राम की संस्कृति में पला–बढ़ा व्यक्ति प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करते हुए 500 वर्ष तक निरंतर लड़ता रहा।

राहुल गांधी के बयान पर बिफरे योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर नाच गाना चल रहा था, दरअसल उनका खानदान ही जिंदगी भर नाचगाना करता रहा। हिंदुओं का अपमान, सनातन संस्कृति को कोसना और भारत के बाहर संवैधानिक संस्थाओं को खड़ा कर कांग्रेसी अपनी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 1526 में राम मंदिर तोड़कर गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया गया था। मुगल–अंग्रेज नहीं चाहते थे कि हिंदू धर्म–संस्कृति का नामोनिशान रहे, लेकिन आजाद भारत की पहली सरकार जिन बदनसीबों के हाथ लगी, उन्होंने भी भारत को गौरव के साथ खड़ा नहीं होने दिया। 2014 में नरेंद्र मोदी पीएम बने। 2017 में यूपी में भाजपा सरकार बनी। डबल इंजन सरकार जब डबल स्पीड से चलने लगी तो महज दो वर्ष के अंदर पांच सौ वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। 140 करोड़ भारतवासी प्रसन्न हैं, लेकिन कांग्रेस को इससे पीड़ा है।

महाराष्ट्र में गाय को मिला 'राज्य माता' का दर्जा

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने गाय को 'राज्य माता' का दर्जा दिया है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लिए गए इस फैसले को हिंदुत्व के नाम पर लोगों को लुभाने वाला माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि भारत की संस्कृति और हिंदुत्व में गाय की बड़ी महिमा है। इसलिए गाय का संरक्षण किया जाएगा। इसलिए उसे राज्य माता का दर्जा दिया जा रहा है। इसका ऐलान करते हुए डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, श्देसी गायें हमारे किसानों के लिए वरदान हैं। इसलिए हमने उन्हें राज्य माता का दर्जा देने का फैसला लिया है। हमने यह भी तय किया है कि गोशालाओं में गायों के संरक्षण की व्यवस्था की जाए। इसके लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।' गायों के संरक्षण के लिए सरकार प्रति दिन 50 रुपये का भत्ता भी जारी करेगी। राज्य के डेयरी विकास विभाग की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी हो गया है। इसमें कहा गया है कि प्राचीन काल से ही भारत में लोगों की जिंदगी में गायों का अहम स्थान रहा है। इस नोटिफिकेशन में कहा गया है कि गाय का वैज्ञानिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

लेखपाल पर दलितों की भूमि साजिशन हड़पने, बैनामा कराकर मंहगी कीमत पर बेचवाने का आरोप

—डीएम सहित उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । हार्टलैंड ह्यूमन राइट फाउन्डेशन के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने जिलाधिकारी के साथ ही अन्य विभागीय अधिकारियों को खतौनी की छाया प्रति के साथ रजिस्टर्ड पत्र देकर अनुसूचित जाति के लोगो की जमीने खरीदने के नियमो का दुरुपयोग कर जबरन जमीनों पर कब्जा किये जाने का आरोप लगाते हुये दोषी लेखपाल और विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

जिलाधिकारी समेत उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में सुशील कुमार ने कहा है कि जनपद में अनुसूचित जाति के लोगो की जमीने खरीदने के नियमो का दुरुपयोग कर जबरन अनुसूचित जाति के लोगो की जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है और कम दामों पर खरीद कर फिर उसको अधिक मूल्यों पर बेचा जा रहा है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव इस खरीद–बिक्री में मुख्य रूप से सक्रिय है। पत्र में कहा गया है कि लेखपाल सतीश श्रीवास्तव का रसूख ऐसा है की शिकायते होती रहती है और स्थानांतरण विभिन्न ब्लाकों में होता रहता है लेकिन वो हमेशा जनपद बस्ती मुख्यालय के तहसील में ही बैठे रहते है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव अनुसूचित जाति के लोगो की जमीने खरीदने के नियमो का दुरुपयोग कर के जबरन अनुसूचित जाति के लोगो की जमीनों पर कब्जा करने के लिए अपने रिश्तेदारो को लगाए है जिनके नाम है शिवम् श्रीवास्तव और संदीप श्रीवास्तव हैं। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव ने शिवम् श्रीवास्तव को अपने साथ तहसील के कार्यालय में रखा है रिश्तेदार संदीप श्रीवास्तव को जिला तहसील कार्यालय के बाहर रेकी और कस्टमर बुलाने के लिए रखा है । लेखपाल सतीश श्रीवास्तव अनुसूचित जाति के लोगो की जमीने खरीदने के नियमो का दुरुपयोग कर के जबरन अनुसूचित जाति के लोगो की जमीनों पर कब्जा कर कम दामों पर खरीद कर फिर उसको अधिक मूल्यों पर बेचने के लिए लिए रिश्तेदार संदीप श्रीवास्तव और अन्य के नाम पर बैनामा रजिस्ट्री कराते है और एक–दो साल में उसको बेच कर किनारे हो जाते है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव ने रिश्तेदार संदीप श्रीवास्तव के नाम पर बस्ती जनपद के सदर ब्लॉक के ग्राम पिपरा रामकिशुन में खाता संख्या 00043 को अनुसूचित जाति की जमीन चार लाख रूपये में खरीदी गयी और सत्रह लाख बेचीं गयी । लेखपाल सतीश श्रीवास्तव के रिस्तेदार संदीप श्रीवास्तव ने जो जमीन अपने नाम बैनामा करवाया है वो जमीन एक जरूरत मंद अनुसूचित जाति की विधवा महिला है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव उनके रिश्तेदार संदीप श्रीवास्तव ने पैसे की किल्लत झेल रही अनुसूचित जाति की विधवा महिला का फायदा उठा कर मात्र चार लाख रुपये में जमीन खरीदी और ऊपर से उसमे से भी अनुसूचित जाति की जमीन खरीदने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने के लिए रिश्वत के नाम पर एक लाख पचास हजार रुपये लेकर शोषण किया। उक्त अनुसूचित जाति की विधवा महिला डर के मारे कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

पत्र में हार्टलैंड ह्यूमन राइट फाउन्डेशन के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा है कि लेखपाल सतीश श्रीवास्तव के बड़े भाई प्रहलाद श्रीवास्तव भी लेखपाल थे जो अब सेवानिवृत्त हो गए है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव के बड़े भाई प्रहलाद श्रीवास्तव भी यही कार्य करते थे और पद का दुरुपयोग कर के अन्य गड़बड़िया भी किया जिसके चलते जेल भी काट आये है। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव के बड़े भाई प्रहलाद श्रीवास्तव ने ही लेखपाल सतीश श्रीवास्तव को नौकरी दिलवाई थी और नौकरी भी गलत तरीके से दिलवाई गयी है जिसकी जाँच होना चाहिये। लेखपाल सतीश श्रीवास्तव के बड़े भाई प्रहलाद श्रीवास्तव के ऊपर कई आपराधिक मुकदमे भी दर्ज है ।

इसी प्रकार से लेखपाल सतीश श्रीवास्तव अपने परिवार रिस्तेदार के साथ मिल कर भूमाफिया गिरोह चलाते है अनुसूचित जाति के लोगो की जमीने खरीदने के नियमो का दुरुपयोग कर साथ ही अपने पद का दुरुपयोग कर के खतौनियों में खेल करते है । सुशील कुमार ने मांग किया है कि लेखपाल सतीश श्रीवास्तव की और आय से अधिक सम्पति अर्जित करने की जाँच किया जाय, विभागीय जाँच करा कर तत्काल प्रभाव से जमीन की खरीद फरोख्त की जाँच किया जाय और दाखिल खारिज को रोक कर बैनामा रजिस्ट्री को निरस्त किया जाय । इस सम्बन्ध में लेखपाल सतीश श्रीवास्तव का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 अक्टूबर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

टूटते परिवार, हाशिये पर विवाह संस्कार

अपने देश के काफी लोग बॉलीवुड के चलन को फॉलो करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से बॉलीवुड सितारों में तलाक की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। हाल ही में बॉलीवुड की रंगीला फेम अभिनेत्री अपने तलाक को लेकर चर्चा में है। समाज में तलाक की घटनाओं को लेकर यह साफ है कि आज के दौर में शादी की धारणा में बदलाव आ रहा है। पहले शादी को एक पवित्र बंधन माना जाता था। एक बार शादी हो जाने के बाद पति–पत्नी के अलग होने की कल्पना भी नहीं की जाती थी। लेकिन समय के साथ–साथ शादी और तलाक दोनों की संख्या बढ़ रही है। कई मामलों में पति–पत्नी के बीच की छोटी–मोटी अनबन भी तलाक का कारण बन रही है। वहीं दूसरी ओर अवैध संबंध, लिव–इन रिलेशनशिप, डेटिंग और अमीर वर्ग में पत्नियों की अदला–बदली जैसे मामलों में वृद्धि हो रही है। यह सब पहले केवल विदेशों में ही देखे जाते थे, जिन्हें भारत में घृणित और अश्लील माना जाता था, लेकिन अब ये सभी तौर–तरीके और रिश्ते भारत में भी फैल चुके हैं। इसी कारण से महिलाएं अब स्वतंत्र रहना चाहती हैं और शादी नहीं करना चाहतीं। क्या यह ठीक सोच है?

यदि यह ट्रैंड ऐसे ही आगे बढ़ता गया तो इन सबका परिणाम यह होगा कि आने वाले छह से सात दशकों में, यानी लगभग 2100 तक शादी की अवधारणा ही समाप्त हो जाएगी। इस बिन्दू पर मनोविज्ञान के विशेषज्ञों द्वारा एक ङ्क्षचताजनक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि शादी जैसे रिश्ते कैसे आकार ले रहे हैं। सामाजिक बदलाव, बढ़ता व्यक्तिवाद और विकसित होती लैंगिक भूमिकाओं के चलते पारंपरिक विवाह अब टिक नहीं पाएंगे। आज की युवा पीढ़ी अब करियर, व्यक्तिगत विकास और अनुभवों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है। साथ ही लिव–इन रिलेशनशिप और अपरंपरागत रिश्तों में भी वृद्धि हो रही है। इससे शादी की आवश्यकता ही समाप्त होती जा रही है। इसके अलावा, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस में प्रगति भी एक कारण है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस प्रगति से भविष्य में मानवीय संबंध अलग तरह के दिख सकते हैं। इसके अलावा जीवनयापन की बढ़ती लागत जैसे आर्थिक कारण भी लोगों को शादी के प्रति कम आकघ्षत कर रहे हैं। खासकर महिलाएं अब आत्मनिर्भर जीवन जीना चाहती हैं। उन्हें शादी के बंधन की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

तलाक के मामले भारत में बाकी देशों के मुताबिक कम देखने को मिलते हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। भारत में तलाक के मामले 1.1 प्रतिशत से भी कम हैं, यानी दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में अब भी सबसे कम तलाक के किस्से देखने को मिलते हैं। संयुक्त राष्ट्र की हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि यह ट्रैंड उन कपल में ज्यादा बढ़ा है, जो अपनी जिंदगी के 2 या 2 से ज्यादा दशक एक साथ बिता चुके हैं। यानी 10 या 20 साल साथ रहने के बाद इनकी शादी टूट रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर इसका कारण क्या है? पहले के समय में संयुक्त परिवार में एक–दूसरे पर सब निर्भर रहते थे। संयुक्त परिवार में रहने वाले कपल की शादीशुदा जिंदगी का भी एक प्रभाव हुआ करता था, लेकिन आज की 'न्यूक्लियर फैमिली' में कहीं न कहीं वह निर्भरता खत्म हो रही है। हालांकि यह पॉजीटिव भी है क्योंकि निर्भरता न होने के चलते कोई भी पार्टनर अपनी 'विषैली' शादी से आसानी से बाहर आ सकता है। लेकिन इसका नैगेटिव असर भी है, निर्भरता न होने की वजह से कपल के बीच रिश्ते मजबूत नहीं हो पाते।

इसके अलावा आजकल की शादियों में जाति, धर्म और संस्कृति को पीछे रखा जाता है लेकिन शादी के बाद अक्सर पार्टनर में इन्हें लेकर टकराव होने लगता है, जो कि स्वाभिमान के टकराव में बदल जाता है। इस दौरान आर्थिक तौर पर आजाद पॉर्टनर सहमति के लिए तैयार नहीं होता। ज्यादातर मामलों में लोग प्रोफैशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ के बीच टाइम का बैलैंस नहीं बना पाते, जिसकी वजह से पार्टनर्स को एक–दूसरे के साथ कुछ भी शेयर करने का मौका नहीं मिलता। इससे दोनों में दूरियां बन जाती हैं। इसके अलावा लोगों को आजकल पहले से ज्यादा आजादी मिली हुई है। औरत हो या मर्द, हरेक का रोजाना बाहर नए लोगों से मिलना–जुलना रहता है, जिससे कई बार लोग अपने रिश्ते में बेवफाई करने लगते हैं, जिससे पार्टनरों के बीच तलाक हो जाता है। आजकल लोग अपनी प्रोफैशनल लाइफ में अच्छी कारगुजारी के लिए अपनी पर्सनल लाइफ से समझौता करने लगते हैं, जिससे भी तलाक के मामले बढ़ रहे हैं।

आज बहुत से लोग सोचते हैं कि शादी एक बंधन है, जिसमें आजादी नहीं होती, भविष्य नहीं होता और करियर में भी आगे नहीं बढ़ा जा सकता। ऐसे विचार रखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आजकल बहुत से लोग शादी करने के लिए तैयार नहीं हैं। शादी के बाद बच्चे पैदा करने से भी लोग कतराने लगे हैं। यदि यही प्रवृत्ति बनी रही, तो इस शताब्दी के अंत तक शादी जैसा कोई संबंध ही नहीं बचेगा। हमें गंभीरता से सोचना चाहिए कि भारत में तलाक के मामले इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहे हैं? क्यों भारतीय अपनी शादी के साथ न्याय नहीं कर पा रहे? क्यों उनकी शादियां उनकी आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रहीं? क्या भारत में लोगों का शादी से विश्वास उठ गया है या फिर लोगों के अंदर शादी की कमिटमैंट को लेकर मनोविकार पैदा हो गया है?

जिन्दगी से खिलवाड़ करती नकली दवायें

–ललित गर्ग–

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन–डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन–सी, एंटी–एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन–रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह–तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध–अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है।

दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन–संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं, कहाँ लेकर जाएंगे ऐसी दौलत या फिर किसके लिए? यह कैसी मानवीयता है?

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन–प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। आम आदमी जाए तो कहां जाये? विश्व को श्रेष्ठ, नैतिक एवं मानवीय बनने का उपदेश देने वाला देश आज कहां खड़ा है? आज इन मूल्यों एवं संवेदनाओं की दृष्टि से देश कितना खोखला एवं जर्जर हो गया है। आज भौतिक एवं स्वार्थी मूल्य अपनी जड़ें इतनी गहरी जमा चुके हैं कि उन्हें निर्मूल करना आसान नहीं है। मनुष्य का संपूर्ण कर्म प्रदूषित हो गया है। सारे छोटे–बड़े धंधों में अनीति प्रवेश कर गई है। अमानक दवाओं का बढ़ता बाजार एक कलंक बनकर उभरा है। निस्संदेह यह संकट जल्दी समाप्त होने वाला नहीं है। ऐसे में सरकारों को दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर रणनीति बनानी होगी।

चुनावी घोषणा पत्रों की तय हो जबाबदेही

–नरेश कौशल–

देश में आम चुनावों के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों में एक बार फिर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का खेल जोर–शोर से चल रहा है। जनता में राजनीतिक दलों की घटती साख और रीति–नीतियों के प्रति जनता में उपजे अविश्वास के बीच राजनेता मुफ्त का खतरनाक खेल खेल रहे हैं। वे लोकलुभावन का शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। वे मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन की कहावत को अपना रहे हैं। उन्हें पता है कि मुफ्त के माल का पैसा कौन–सा उनकी जेब से जा रहा है। बोझ तो सरकारी खजाने पर पड़ेगा। दुर्भाग्य से देश में ऐसी कोई नियामक व्यवस्था नहीं बन पायी कि मुफ्त की रेवड़ियों के खर्च की जवाबदेही नेताओं व राजनीतिक दलों के लिये तय की जा सके। चुनाव आयोग भी इस घातक रिवाज पर रोक लगाने में विफल ही लगता है। हकीकत यह है कि जब तक हम जनता को जागरूक नहीं करेंगे और जनता ही नेताओं पर दबाव नहीं बनाएगी, तब तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

वैसे हकीकत यह है कि जब तक जनता जागरूक नहीं होगी, राजनीतिक दलों के मुफ्त के वादों के घोषणापत्रों पर लगाम नहीं लगेगी। यह एक हकीकत है कि सरकारों व राजनीतिक दलों के तमाम थोथे दावों के बावजूद हम देश के अधिसंख्य नागरिकों को राजनीतिक रूप से इतना सजग–सचेत नहीं कर पाए हैं कि वे मुफ्त के प्रलोभनों, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता की संकीर्णताओं से उठकर मतदान कर सकें। यदि देश का अधिसंख्य मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक होता तो मुफ्त की रेवड़ियों को वह ठुकरा देता। हकीकत में जागरूक नागरिकों व लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग स्वयंसेवी संस्थाओं को सर्वप्रथम किसी भी राज्य या देश के मौजूदा बजट का आकलन करना होगा। यह कि राज्य को किन–किन स्रोतों से राजस्व प्राप्त हो रहा है। कितना ऋण राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से लिया गया है। राज्य पर कुल ऋण का कितना बोझ है। उस पर कितना ब्याज लगातार राज्य को देना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक दलों व नेताओं को जनता को बताना होगा। मतदाताओं को अहसास कराना होगा कि उसके पास कितनी चादर है और उसे कितने पैर पसारने होंगे।

एक बात तो तय है कि देश–प्रदेश के आर्थिक स्वास्थ्य के हित में हर हाल में लोकलुभावन घोषणाओं और मुफ्त की रेवड़ियों का प्रचलन बंद करना ही होगा। मतदाताओं में राष्ट्र और प्रदेश पहले है, की भावना जाग्रत करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मुफ्त में राशन बांटकर जनता को सरकार पर आश्रित बनाये रखने की नीति बदलनी होगी ताकि लोग नाकारा होकर न रह जाएं। लोगों को सरकारी बैसाखी देने के बजाय उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाया जाए। उन्हें मुफ्त राशन देने के बजाय सस्ता लोन दिया जा सकता है ताकि वे अपना काम धंधा शुरू करके आत्मनिर्भर हो सकें। यह लोककल्याण स्थायी होगा और बहुत संभव है कि यदि ऋण लेने से वे कोई काम–धंधा चला सकें तो दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। सरकार व राजनीतिक दलों को सरकारी कर्मचारियों व वेतनभोगियों को बजट की वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराना होगा। होता यह है कि राज्य की वास्तविक आर्थिक स्थिति को जानते हुए भी कर्मचारी संगठन सुविधाओं को बढ़ाने के लिये आंदोलन करते रहते हैं। उन्हीं से राय लेनी होगी कि यदि उनके वेतन–भत्ते बढ़ाने हैं तो बजट में उस राशि की पूर्ति आय के किन स्रोतों से की जा सकती है।

एक बात तो तय है कि निश्चित रूप से फ्री बिजली और पानी की नीति बंद करनी होगी। हां, शुद्ध पेयजल व शुद्ध पर्यावरण निरूशुल्क पाना नागरिकों का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर बजट में शिक्षा, जन स्वास्थ्य सेवाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का कल्याण, महिलाओं के उत्थान हेतु पौष्टिक आहार जुटाने तथा समाज व बाल कल्याण हेतु अधिकतम प्रावधान होना चाहिए। दूसरी ओर शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों, खेलकूद संस्थानों आदि के लिये प्राथमिक आधार पर बजट की दरकार रहेगी। शिक्षा के स्वरूप में एकरूपता होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि सरकारी स्कूलों के शिक्षा का स्तर निजी स्कूलों से बेहतर, नहीं तो कम से कम उनके बराबर तो हो। आम आदमी सरकार ने दिल्ली में जिस शिक्षा नीति को लागू किया, उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी तरह मोहल्ला क्लीनिक के प्रयोग को भी सराहा गया है। एक आदर्श घोषणा पत्र में ऐसी सुविधाओं का प्रावधान तो होना ही चाहिए।

वहीं वोट जुटाने के लिये अवैध बस्तियों को वैध बनाने का जो दुर्भाग्यपूर्ण खेल शुरू हुआ है, उसका घातक असर नागरिक सेवाओं पर पड़ रहा है। जिन लोगों ने ईमानदारी से मेहनत की कमाई से कानूनी रूप से वैध मकान बनाए हैं और उसकी बड़ी कीमत चुकाई है, उन्हीं को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। अवैध रूप से बसायी गई इन बस्तियों के लिये बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधायें देने का नकारात्मक प्रभाव वैध बस्तियों के नागरिकों पर पड़ रहा है। जरूरतमंद नागरिकों हेतु छत या बस्ती बसाने के लिए योजनाबद्ध नीतियां बनायी जानी चाहिए।

उधर, बजट में आम आदमी की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। विभिन्न गोष्ठियों में लोगों की बजट के बारे में राय लेनी होगी कि राज्य की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर रखते हुए कैसा बजट बनाया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से बचना होगा। ताकि करदाताओं पर करों का अतिरिक्त बोझ न पड़े। आखिरकार इस फ्री राशन का बोझ देश की मध्यवर्गीय जनता की जेब पर ही पड़ता है। जिसकी वजह से मध्यवर्ग पिसता है– अमीर और गरीब के पाट के बीच में। सही अर्थों में होना तो यह चाहिए कि राज्य की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने को कदम उठाये जाएं। राज्य सरकार पर जो करोड़ों रुपये का ऋण का बोझ है, उसे उतारने के उपाय घोषणा पत्र में दर्ज हों कि कर चुकाने के लिये सभी किस तरह से सहयोग करेंगे।

जैसे कि पहले कहा गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिये ज्यादा बजट का प्रावधान होना चाहिए। दवाइयां सस्ती करने के लिये विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। किसानों के लिये खाद, बीज, कीटनाशक व सिंचाई की सुविधा तथा खेती में काम आने वाले उपकरण मसलन ट्रैक्टर आदि सस्ते मूल्य पर उपलब्ध कराये जाएं। बजाय कि ऋण माफ करने तथा सस्ती बिजली–पानी देने के। यदि हम किसान की कृषि उत्पादन की लागत कम कर देंगे, तो फिर किसान की सरकार पर निर्भरता कम हो जायेगी। सत्ताधीशों को याद रखना चाहिए कि सरकार का पहला फर्ज लोककल्याणकारी शासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना होता है। बच्चों के लिये सस्ती एवं गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। सत्तर वर्ष से ऊपर के लोग सरकार की प्राथमिकता में हों। उनके लिये निरूशुल्क चिकित्सा की व्यवस्था हो। साथ ही बदलते सामाजिक दौर में असहाय स्थिति में रह रहे बुजुर्गों के लिये गुणवत्ता वाले निरूशुल्क वृद्धाश्रमों की व्यवस्था भी बड़े पैमाने पर की जाए।

इसके बावजूद यदि राजनीतिक दलों व नेताओं को कुछ मुफ्त बांटने की ज्यादा ही इच्छा हो तो वे अपने या पार्टी फंड से ऐसी व्यवस्था करें। साथ ही पार्टी फंड से जनकल्याण के बजट में योगदान करें। चुनाव के दौरान प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अरबों रुपये जैसे पानी की तरह बहाये जाते हैं, यदि उसी धन को कमजोर वर्गों के कल्याण व नागरिक सुविधाएं सुधारने के लिये लगाया जाए तो जनता का ज्यादा भला होगा। अब वक्त आ गया है कि देश की जनता, जागरूक स्वयंसेवी संस्थाएं तथा राजनीतिक दल इस समस्या का सार्थक समाधान निकालें।

लोकतांत्रिक मूल्य और वैश्विक हित

–सुरेश सेठ–

अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए एक नया संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में भारत को पुष्पित बनाएंगे और पुष्प की पंक्तियों से इसे विकसित करेंगे। उन्होंने पी से प्रगतिशील भारत का उल्लेख किया, जिसका अर्थ है हमारे संविधान की प्रतिबद्धता कि हम देश में प्रजातांत्रिक समाजवाद स्थापित करेंगे। यह वंचितों के लिए आशा की किरण है, लेकिन अभी बहुत काम बाकी है। अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी अमीर और गरीब के बीच की खाई और बढ़ गई है।

यू से अजेय भारत का संकेत है कि भारत की सेना आत्मनिर्भर और आधुनिक हो गई है। देश की अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एस से आध्यात्मिक भारत का अर्थ है कि आधुनिकता की रौ की बजाय आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना भारत का लक्ष्य होगा। अध्यात्म का सही संदेश अगर कोई दे सकता है तो वह भारत है, लेकिन यह संदेश कट्टरता से मुक्त होना चाहिए।

एच से मानवता का समर्थन करता भारत और पी से समृद्ध भारत का संकेत, मंदी के अंधड़ में फंसी दुनिया में भारत की तेज विकास दर को बनाए रखने और अपनी मंडियों में निवेश की मांग को कम न होने देने की ओर है।

इन सभी पहलुओं के माध्यम से, प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया है कि भारत को प्रगतिशील, अजेय, आध्यात्मिक और समृद्ध बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

भारत ने अपनी आजादी के शतकीय महोत्सव में विकसित भारत की स्थापना का लक्ष्य रखा है, और उसका आदर्श है कि वह आर्थिक महाशक्ति बनेगा। न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री मोदी प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रतीक 'नमस्ते' को वैश्विक पहचान बनाने का समय आ गया है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के सकारात्मक मूल्यों को अमेरिका की सामाजिक व्यवस्था में प्रमुखता देने का संदेश दिया। मोदी ने प्रवासी भारतीयों को देश का ब्रांड एम्बेसडर बताया और कहा कि भारत आज अवसरों की धरती है। भारत में नेतृत्व करने की क्षमता है और वह रुकने या थमने वाला नहीं है। यह प्रेरणा वास्तव में उत्साहजनक है। मोदी यहां अपने देश में हो रहे सेमीकंडक्टर सेक्टर के तेज विकास की ओर इशारा कर रहे थे, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन का हिस्सा है। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' के तहत सेमीकंडक्टर चिप्स को विकसित भारत की उड़ान के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, इस डिजिटल युग का लाभ देश की गरीब और वंचित आबादी तक पहुंचाना जरूरी है, जो रोजगार और महंगाई की समस्याओं का सामना कर रही है। मोदी का नेतृत्व सशक्त है, लेकिन उन्हें इन वंचित वर्गों की जरूरतों का ध्यान रखना होगा, ताकि वे डिजिटल भारत में शिक्षा और अवसरों से वंचित न रहें।

मोदी जी ने प्रवासी भारतीयों के सामने यह दावा किया कि भारत पहला जी–20 देश है जिसने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को हासिल किया है, और उनका कार्बन उत्सर्जन दुनिया के मुकाबले कम है। उन्होंने कहा कि भारत हरित क्रांति की राह पर अग्रसर है और पर्यावरण प्रदूषण के संकट का सामना करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ–साथ विकसित पश्चिमी देश भी इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे, क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग सभी के लिए एक गंभीर संकट है।

पिछले दिनों मौसम के असाधारण परिवर्तनों ने न केवल भारत को, बल्कि पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया है। इसके परिणामस्वरूप कृषि, उत्पादन और निवेश में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे मांग में कमी आई है। अमेरिका ने इस समस्या से निपटने के लिए अपनी फेडरल दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कमी की है। लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र इस संकट का सामना कर रहा है, जिससे मंदी और निवेश की अनिश्चितता उत्पादन की गणनाओं को अस्तव्यस्त कर रही है।

20 साल बाद भतीजा पैदा होने पर पिता के पिस्टल से की हर्ष फायरिंग, गिरफ्तार

संवाददाता–महराजंज। जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के मुड़िला बाजार में हर्ष फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। यह घटना शनिवार की बताई जा रही है, जब युवक मनीष कुमार ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से दो राउंड हर्ष फायरिंग की। बताया जा रहा है कि मनीष के घर शुक्रवार की रात एक पुत्र का जन्म हुआ था, जिसकी खुशी में उसने यह फायरिंग की। किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि हिन्दुस्तान इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता।

घटना शनिवार की है। गिरफ्तार युवक मनीष कुमार के घर शुक्रवार की रात भतीजा पैदा हुआ। उसके पिता कृष्ण कुमार सात भाई हैं। बीस साल बाद परिवार में भतीजा का जन्म हुआ। इसी बात की खुशी में आरोपित मनीष कुमार अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से बाजार में अपनी दुकान के सामने कई राउंड फायरिंग करने लगा। किसी ने हर्ष फायरिंग के घटना की वीडियो बना लिया और सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में हर्ष फायरिंग को लेकर चर्चा हो रही है, साथ ही पुलिस ने लाइसेंसी हथियारों के दुरुपयोग को लेकर सख्त कदम उठाने की चेतावनी भी दी है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि घटना का पुलिस के संज्ञान लेते हुए केस दर्ज कर युवक को गिरफ्तार कर चालान किया गया है।

पनियरा थाना क्षेत्र में सड़क पर एक व्यक्ति द्वारा फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में फायरिंग करने वाली की पहचान मनीष कुमार निवासी मुड़िला बाजार थाना पनियरा के रूप में की गई है। मनीष ने अपने भाई के पुत्र पैदा होने पर अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से अपने दुकान के सामने हर्ष फायरिंग की। प्रकरण में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपित गिरफ्तार है।

जिला जज, डीएम व एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

संवाददाता–महराजंज। जिला जज, डीएम व एसपी ने सोमवार को जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। बैरक से लेकर मेस तक देखा। बंदियों की सुविधा भी परखी। निरीक्षण के दौरान जेल के बैरक, मेस व जेल परिसर की साफ सफाई आदि का निरीक्षण किया। बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्यायों को सुना। जेल कर्मियों को सख्त हिदायत दी कि बंदियों को अनुमन्य सुविधाओं का ख्याल रखें। जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि या अवांछनीय तत्व न पाये जाये। निरीक्षण के दौरान जेल, पुलिस, प्रशासनिक व अन्य अधिकार उपस्थित रहे।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की हुई बैठक

संवाददाता–श्रावस्ती। तहसील जमुनहा के सभागार में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन तहसील इकाई की बैठक सोमवार को की गई। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष जमुनहा बाबूराम पाठक ने किया। इस दौरान संगठन का विस्तार करने व मजबूती प्रदान करने जैसी अहमद मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रदीप त्रिपाठी की ओर से तहसील स्तर पर कार्यालय बनवाने का प्रस्ताव रखा गया। जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। वहीं रुद्रसेन वर्मा ने प्रस्ताव किया कि फर्जी पत्रकारों पर रोक लगाया जाए और शासन प्रशासन को अवगत कराया जाए जिससे पत्रकार की छवि धूमिल न हो। इस संबंध में सभी उपस्थित पत्रकारों ने समर्थन किया। बैठक में प्रमोद कुमार मिश्रा, अमित विश्वास, पवन कुमार, संतोष कुमार गुप्ता, संदीप त्रिपाठी, जगदंबा प्रसाद, ज्ञानेंद्र वर्मा, मंजीत कुमार मिश्रा, सुधीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला में समझाया हिन्दी भाषा का महत्व

संवाददाता–श्रावस्ती। कमांडेन्ट रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी के नेतृत्व में सोमवार को 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा के एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दी भाषा का महत्व व उसकी विशेषताओं पर चर्चा की गई। साथ ही हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करने को प्रेरित किया गया। कमांडेन्ट रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी ने कहा कि हिन्दी भाषा भारत की राजभाषा है और इसका प्रयोग सभी सरकारी कार्यों में अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वाहिनी के अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालयी पत्राचार में हिन्दी भाषा के उचित व प्रभावी प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला में मुख्य आरक्षी (मंत्रालयिक) नवीन की ओर से विभिन्न प्रकार के कार्यालयी पत्रों, जैसे कि आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, रिपोर्ट आदि के लेखन प्रारूप व शैलियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही कार्यशाला में हिंदी भाषा की वर्तनी, व्याकरण व विराम चिह्नों के प्रयोग पर भी ध्यान रखने के साथ कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के कार्यालयी पत्रों का प्रारूप तैयार करने का अभ्यास भी किया। इस मौके पर उपकमांडेन्ट पीयूष सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक इमरान सिद्दिकी, मुख्य आरक्षी विवेक शुक्ला, आरक्षी अभय कुमार, संचू तमांग आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने पेंटिंग बनाकर किया जागरूक

संवाददाता–गोण्डा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से 17 सितंबर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती तक चलाए जा रहे स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे कक्षा छह से आठ तक के छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं की छात्रा प्रतिमा वर्मा प्रथम स्थान, रेखा द्वितीय स्थान और कक्षा छह में पढ़ने वाले दीपक गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश चतुर्वेदी मंडल प्रभारी मेहनौन, आत्माराम वर्मा मंडल अध्यक्ष मेहनौन और रामकृपाल वर्मा ग्राम प्रधान बरईपारा रहे। अतिथियों ने कला पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में बीईओ ने हेमलता त्रिपाठी ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रोहिणी नंदन मिश्र, गोपाल प्रसाद, करन सिंह, अरुण मिश्र, सौरभ वर्मा, विजय कुमार भारती, महेंद्र प्रताप सिंह, विंध्यवासिनी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेलवरिया विकास खण्ड गौर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 07.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 08.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-पूजा त्रिपाठी
ग्राम पंचायत-बेलवरिया
विकास खण्ड-गौर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-श्री प्रकाश वर्मा
ग्राम पंचायत-बेलवरिया
विकास खण्ड-गौर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत मधवापुर प्रथम विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-राजमणि
ग्राम पंचायत-मधवापुर प्रथम
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-अंकुर कुमार
ग्राम पंचायत-मधवापुर प्रथम
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत खाजेपुर विकास खण्ड रामनगर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-राजेश चौधरी
ग्राम पंचायत-खाजेपुर
विकास खण्ड-रामनगर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-तीर्थ प्रसाद
ग्राम पंचायत-खाजेपुर
विकास खण्ड-रामनगर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत हटवा विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 07.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 08.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-अर्जुन चौधरी
ग्राम पंचायत-हटवा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-अंकुर कुमार
ग्राम पंचायत-हटवा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत हरिहरपुर विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 3:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-मंजू देवी
ग्राम पंचायत-हरिहरपुर
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-अंकुर कुमार
ग्राम पंचायत-हरिहरपुर
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत मझौवा बैकुंठ विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-रेशमा सिंह
ग्राम पंचायत-मझौवा बैकुंठ
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-अंकुर कुमार
ग्राम पंचायत-मझौवा बैकुंठ
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

सीएम योगी ने 200 लोगों की सुनी फरियाद

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन सोमवार को भी लोगों से मुलाकात और उनकी समस्या के समाधान का सिलसिला जारी रखा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की समस्या के समाधान में देरी नही होनी चाहिए। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे जल्द से जल्द जनता की समस्याओं का समाधान करें। सोमवार को सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का निस्तारण अवश्य कराया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही पारिवारिक विवादों का निस्तारण आपसी सामंजस्य के आधार पर करने का प्रयास करने को कहा।

सोमवार प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन करने और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोसेवा करते हुए गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया। सीएम योगी ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों को अपने पास बुलाकर उन्हें प्यार–दुलार दिया। बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ सीएम ने उनसे ठिठोली भी की। सबके माथे पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और हमेशा की तरह उन्होंने बच्चों को चॉकलेट गिफ्ट किया।

विधायक ने डिग्री कालेज पर लगाया अवैध वसूली का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के एक डिग्री कॉलेज के प्रबंध कमेटी पर शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए जा रहे अवैध वसूली के आरोप के समर्थन में पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह भी उतार गए हैं। सोमवार को भाजपा कार्यालय पर उन्होंने मौजूदा कई आरोप लगाते हुए कॉलेज प्रशासन व प्रबंधक समिति पर कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक ने कहा कि डुमरियागंज के एक डिग्री कॉलेज की प्रबंधक जो जनप्रितिनिधि भी हैं। इस कॉलेज द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई की डिग्री के नाम पर बहुत छात्रों से अवैध फीस वसूली की गई है। परीक्षा के नाम पर कॉलेज की कापी देकर यह कहा गया कि घर से कापी लिखकर दो और तुम्हें पास होने की सर्टिफिकेट मिल जाएगा। सभी छात्रों ने विश्वास में आकर कापी लिखकर कॉलेज में वापस किया और तब से आज तक जैसा कि उन्हें जानकारी हुई की किसी को भी एमए पास होने की डिग्री नहीं दी गई है जो फ्राड है। पूर्व विधायक ने कहा छात्रों के पास फीस जमा करने की रसीद भी है। एक राजनैतिक परिवार जिसकी तीसरी पीढ़ी सियासत में है उसके द्वारा फ्रड किया गया और डिग्री के नाम पर छात्रों का 2 से 3 वर्ष बर्बाद भी किया गया। पीड़ित पक्ष के लोगों ने न्याय के लिए तहसील दिवस एवं जिलाधिकारी को पत्र भी दिया है। विधायक ने बताया कि डुमरियागंज क्षेत्र के चकमरू निवासी बाबूलाल वर्मा व भोलेशंकर ने पूर्व में जिलाधिकारी व तहसील दिवस में शिकायती पत्र देकर अपने परिवार से जुड़े बच्चों के भविष्य के साथ स्कूल प्रशासन पर खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने भी प्रशासन से प्रकरण पर जांच कर प्रबंध समिति के विरुद्ध कार्रवाई करने व सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से संद्धता समाप्त करने की मांग की है।

कंप्यूटर कोर्स सीखने पर मिलेंगे पैसे,लालच में फंसकर छात्रों ने गंवा दिए लाखों रुपये

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज में न्यू गुरूकुल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन नाम से ऑफिस खोलकर जालसाजों ने कक्षा नौवीं, 10, 11 और 12 वीं के छात्रों को कंप्यूटर सीखने के साथ ही पैसा कमाने का प्रलोभन देकर 10 लाख रुपये से अधिक की जालसाजी की और फरार हो गए। सोमवार को खजनी, माल्हनपार, भैंसा बाजार, सिकरीगंज और गीडा से पुलिस ऑफिस पहुंचे करीब 40 छात्रों ने यह आरोप लगाया और कार्रवाई के लिए डे अफसर को प्रार्थना पत्र दिया। डे अफसर ने खजनी थाने को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पुलिस ऑफिस पहुंचे छात्रों ने बताया कि एक साल पहले सिकरीगंज में न्यू गुरूकुल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन का ऑफिस खोला गया। इसका डाएरेक्टर सिद्धार्थनगर में रहता है। इसमे बतौर शिक्षक के रूप में तैनात लोग गांव–गांव जाकर अपनी स्कीम छात्रों और अभिभावकों को बताते थे।

उन्होंने बताया था कि नौ से 12 वीं के छात्रों को ट्रिप्पल सी और डीसीए कोर्स कराया जाएगा। इस दौरान उन्हें प्रतिमाह तीन से चार हजार रुपये भी दिए जाएंगे। इसके लिए एक छात्र को 15 हजार 499 रुपये फीस जमा करनी होगी। कम उम्र में पढ़ाई के साथ रोजगार पाने की लालच में छात्रों ने अभिभावक से मांग कर रुपये जमा कर दिए। एक माह पहले सिकरीगंज स्थित ऑफिस में ताला बंद हो गया और उसके कर्मचारी भी लापता हो गए।

इसके बाद से ही छात्र व उनके अभिभावक उनकी तलाश कर रहे थे। छात्रों का आरोप है कि थाने पर भी शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, इसलिए पुलिस ऑफिस शिकायत करने आए हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 23/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

पुष्पा बनर्जी
बनाम
राम प्रकाश सिंह आदि

4/1 राजेश कुमार वर्मा 4/2 दिनेश वर्मा 4/3 मुकेश वर्मा पुत्रगण स्व0 रामसूरत वर्मा 4/4 श्रीमती ज्योति वर्मा पत्नी स्व0 रामसूरत वर्मा साकिन हाल मुकाम मेसर्स वर्मा आटिकल कम्पनी गांधी नगर बस्ती (सीतापुर ऑख अस्पताल के बगल में) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 62/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रमजान अली आदि
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि

4. प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय पकड़ी जप्ती तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. बेसिक शिक्षा अधिकारी नार्मल स्कूल विल्डिंग के पीछे पो0 गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 6. मो0 याकूब पुत्र सोहराब अली 8. फिरोज अली 9. युसुफ अली पुत्रगण नवाब अली 11. रविन्द्रनाथ त्रिपाठी पुत्र जगदीश प्रसाद त्रिपाठी साकिनान पकड़ी जप्ती तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 16/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मनमोहन
बनाम
जुगेस आदि

1. जुगेस कुमार यादव उम्र 35 साल पुत्र राम अजोर निवासी ग्राम फैलवा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. सुनील कुमार उम्र 50 साल पुत्र निशाकर प्रसाद 3. विजय कुमार उम्र 48 साल पुत्र प्रभाकर प्रसाद 4. अजय कुमार उम्र 50 साल 5. विपिन उम्र 48 साल 6. दिलीप उम्र 56 साल 7. प्रदीप उम्र 60 साल पुत्रगण नरोत्तम प्रसाद निवासीगण ग्राम देवमी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

8. सुधीर उर्फ भानु उम्र 48 साल पुत्र प्रेम नरायन 9. शरद उर्फ चंद्र प्रकाश उम्र 42 सालपुत्र प्रेम नरायन 10. विद्यावती उम्र 60 साल विधवा दिवाकर प्रसाद निवासीगण ग्राम देवमी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

11. सोहन लाल उम्र 40 साल पुत्र विक्रम निवासी ग्राम फैलवा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 30–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद हाई स्कूल वर्ष 1988 अनुक्रमांक 0733587 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 1991 अनुक्रमांक 888389 का अंक पत्र एवं मूल प्रमाण–पत्र (सनद) तथा हेल्थ वर्कर (महिला) प्रमाण पत्र रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 655 वर्ष 1994 का मूल अभिलेख गायब हो गया है।

(शशिकला देवी)
पुत्री– जगदीश प्रसाद उपाध्याय
ग्राम–लबदहिया
पो०–केशवपुर
थाना–हर्रैया
जिला–बस्ती (यू०पी०)

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 456/2005
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिरपत आदि
बनाम
बेलावती आदि

1. बंशीलाल 2. जियालाल पुत्रगण बाबूलाल ग्राम गिठनी तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील धनघटा जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 19–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्याय मार्ग स्थित भूतल पर आवास संख्या 01,02,03,04 का ध्वस्तीकरण की नीलामी मा0 अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति दिनाँक 25–09–2024 के अनुपालन में दिनांक 04.10.2024 को 1.00 बजे दिन में निम्न शर्तो के अधीन जिला पंचायत–बस्ती के कार्यालय कक्ष में किया जायेगा।

नीलामी नियम व शर्तो के बारे में किसी भी कार्यालय दिवस में जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत–बस्ती।

कार्यालय जिला पंचायत–बस्ती

पत्रांकः– 561(6) डि0/जि0पं0क0/2024–2025 दिनांकः–30.09.2024

कार्यालय ग्राम पंचायत छिनौता
विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–मो० जावेद
ग्राम पंचायत–छिनौता
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–मदन गोपाल पाण्डेय
ग्राम पंचायत–छिनौता
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत कोहड़वा
विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 07.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 08.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–परशुराम यादव
ग्राम पंचायत–कोहड़वा
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–मदन गोपाल पाण्डेय
ग्राम पंचायत–कोहड़वा
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत गंगौरी
विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 01.10.2024 से 07.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 08.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–सुरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत–गंगौरी
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–अमित प्रकाश
ग्राम पंचायत–गंगौरी
विकास खण्ड–बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

संक्रामक रोगों के नियंत्रण के लिए चलेगा अभियान होगी साफ–सफाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में संक्रामक बीमारियों से निपटने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत अभियान चलाकर साफ सफाई की जाएगी। लोगों को जागरूक किया जाएगा। एक माह तक चलने वाला अभियान एक अक्टूबर से शुरू होगा। इस अभियान में शिक्षा, कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, नहर और जल निगम सहित दस विभाग मिल कर संक्रामक बीमारियों के रोकथाम के लिए अभियान संचालित करेंगे। अक्टूबर माह में संक्रामक रोग नियंत्रण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस माह को मौसम परिवर्तन के लिए जाना जाता है। जब भी मौसम बदलता है तो बीमारियां भी तेजी पनपती हैं। यही कारण है कि शासन के निर्देश पर संचारी रोग माह अभियान संचालित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की आशाएं घर–घर जाएंगी और लोगों से संवाद कर संक्रामक बीमारियों का डाटा संकलित करेंगी। सर्दी जुकाम, बुखार के साथ टीबी, मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारी का डाटा संकलित करेंगी। साथ ही लोगों को डेंगू के बारे में भी जागरूक करेंगी। अक्टूबर माह में डेंगू का प्रकोप बढ़ता है। खास कर लोगों के घरों में रखे पानी व छतों पर डंप पानी में ही डेंगू के मच्छर पनपते हैं। लोगों को इस बारे में भी जागरूक किया जाएगा कि बुखार होने पर फौरी तौर पर सीएचसी पर इलाज के लिए आएं। वहां पर मरीजों को भर्ती करने का पूरा इंतजाम होगा। कृषि विभग चूहा मारने के बारे में जानकारी देगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा 1089/2022
धारा 34 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय भानपुर जिला–बस्ती

संदीप कुमार
बनाम
राम उजागिर

1. संदीप कुमार पुत्र शिवपूजन साकिन अजगैवा जंगल तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com